संजातीय पुनरूत्थान और 'पहचान' युद्ध

(Ethnic Resurgence and 'Identiy' Wars)

**** संजातीयता (नृजातीय) क्या है? :-*** सामान्य विशेषता - इतिहास, संस्कृति, धर्म, भाषा, इत्यादि।

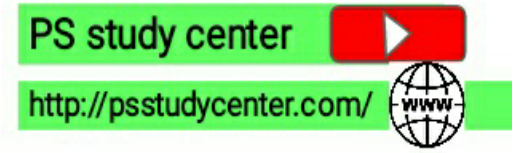

- अन्य समूह से भिन्न + सामान्य विशेषता।

- पृथक रूप से पहचानने के लिए :- विशेष समूह नाम, विशिष्ट संस्कृति या निश्चित भू - भाग का आश्रय लेते हैं।

**** राष्ट्रीयता की विचारधारा का ह्रास***

- (कुछ सीमा तक या कुछ ही कारणों से राष्ट्रीय)

- राष्ट्रीयता में शामिल होने के कारण :- बाहरी संकट, देश का अपमान, राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों, राष्ट्रीय सम्मान आदि।

- संजातीयता के अनेक कारण - एक पहचान, एक संस्कृति, एक इतिहास, उन की आकांक्षाएं।

- संजातीयता से राष्ट्रीयता के सिद्धांत का ह्रास

- ***संजातीयों का आरोप :-*** उन की उपेक्षा, भेदभाव, उन के अस्तित्व को ठुकराया, पहचान, संस्कृति, इतिहास, आकांक्षाओं की उपेक्षा का आरोप।

* संजातीय पुनरूत्थान का स्वरूप और विस्तार

- ***अर्थ :-*** यानी संजातीयता (अलगपन) कि फिर से मांग।

- संजातीयता पुनरूत्थान Example :- विभिन्न राष्ट्रों के अन्दर, सीमा पार संघर्ष, संजातीय सशस्त्र संघर्ष, जातीय हिंसा आदि।

- ***वर्तमान विश्व व्यवस्था :-*** 192 भू - भाग क्षेत्र (प्रभुतासम्पन्न)

- 18 - 20 (गैर - प्रभुतासम्पन्न) राजनीतिक सत्ता है।

- 862 प्रमुख

- 3000 से ज्यादा लघु संजातीय समूह

(लेकिन ये संजातीय समूह आपस में संयोजित नहीं है)

- ***विश्व के अधिकांश सम्प्रभु राष्ट्रों की सीमाएँ :-*** संजातीय सीमाओं के अनुरूप नहीं है)

(उनकी इच्छा के विपरीत है)

PS study center
http://psstudycenter.com/

Example :- भारत, पाकिस्तान, इजराइल, बर्मा, कनाडा, फिजी, इंडोनेशिया।

-(अन्य कई राष्ट्र भी प्रभावित है)

- विश्व में 75% संघर्ष (संजातीय संघर्ष है)

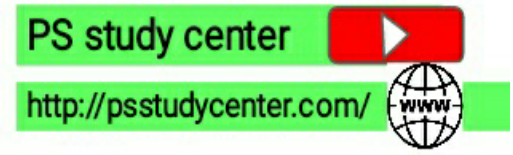

- संजातीय संघर्ष एक कठिन समस्या

- अन्तर्राष्ट्रीय तनाव का मुख्य कारण

* आधुनिकीकरण और संजातीय पुनरूत्थान और संघर्ष

- 2nd World War के बाद संजातीय संघर्ष में वृद्धि।

- क्योंकि 2nd World War के बाद अनेक संप्रभु राष्ट्रो की स्थापना।

- इन राष्ट्रों ने अपनी स्वतंत्रता, आर्थिक विकास, सामाजिक समृद्धि हेतु आधुनिकीकरण को अपनाया।

- और आधुनिकीकरण की प्रतिक्रिया के रूप में संजातीय हिंसा में वृद्धि हुई।

* आप पहले आधुनिकीकरण को समझे :-

- साक्षरता

- जनसंचार

- जीवन - स्तर में सुधार

- नगरीकरण

- बाजारी कृषि

- वाणिज्य मे सुधार

- औद्योगीकरण का विकास

PS study center
http://psstudycenter.com/

- इस प्रकार आधुनिकीकरण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन और अन्नति लाता है।

**** अब सब से Important बात***

- जैसे ही आधुनिकीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है

- वैसे ही संजातीय सामाजिक गतिशीलता शुरू हो जाती है।

- आधुनिकीकरण - संजातीय समूहों को राज्य से जोड़ने में असफल रही है।

- ***जनसंचार साधन -*** सीमित मात्रा में जागरूकता ला पाए।

- इस असंतुलन से सजातीय पुनरूत्थान हुआ

- आधुनिकीकरण से विभाजन उत्पन्न होता है

-***आधुनिकीकरण से :-*** सजातीय समूहों को पहचान समाप्त होने का खतरा दिखता है।

**** तर्क हीन सीमाएं : राज्य प्रणाली की चुनौती***

PS study center
http://psstudycenter.com/

- साम्राज्यवाद के सम्मान ऐसे ही इच्छा से राज्यों का गठन (565 रियासतें)

- ***साम्राज्यवाद के समय सजातीयता :-*** कम, सामाजिक - सांस्कृतिक क्षेत्रों में दखल नहीं।

उत्तर साम्राज्यवादी काल में सजातीयता - ज्यादा

**** आधुनिक राज्य की संजातीयता और आत्मसात्करणवादी दृष्टिकोण***

- संजातीय विद्रोह को बलपूर्वक सेना के माध्यम से खत्म किया।

- जिससे संजातीय समूहों ने आंतकवाद, हिंसा इत्यादि का रास्ता अपनाया और स्वायत्तता की बजाए पूर्ण स्वतंत्रता की मांग करने लगे।

- जिससे अवसरवादी कारको को मौका मिला

- संजातीय के नेता उभरे

- भेदभाव, शोषण आदि के लिए राज्य को दोषी ठहराया

- अपने हित के लिए तथा आरोपों को सही साबित करने के लिए सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों से तथ्यपूर्ण सूचना एकत्रित किया और व्यवस्थित रूप देने का प्रयास किया।

PS study center
http://psstudycenter.com/

- इन के आधार पर आंदोलन

- राज्यों की सीमाओं को चुनौती

- इनके क्षेत्रों से अन्य लोगों को हटाने की मांग

- सभी क्षेत्रों में अपने लोगों के लिए मांग (सेवा क्षेत्र, सम्पति, भू - स्वामित्व)

- मानव अधिकारों के अवहेलना पर राज्य की आलोचना

- अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को बीच में लाना।

= दूसरी बात :- संजातीय समूहों में भी सत्ता के लिए आपस में संघर्ष होता है।

* परराष्ट्रीय परिवेश

- यानी बाहरी लोगों द्वारा संजातीय आंदोलन को समर्थन

- बाहरी देश द्वारा समर्थन

- पैसों से

- हथियारों से

- खुद के लाभ के लिए

* पहचान के लिए युद्ध (संजातीय आंदोलन के कारण)

- पहचान के लिए

- आत्मसात्करण का भय

- उपेक्षा

- भेदभाव

- स्वयहित

- बाहरी देश

- इत्यादि।

PS study center
http://psstudycenter.com/